शनिवार, 2 मई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

महिंद्रा ग्रुप को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

'राजा शिवाजी' में सलमान खान की धमाकेदार सरप्राइज एंट्री

Page-05

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा 15 जून से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू करेगा। पहली फ्लाइट इंडिगो संचालित करेगी, इसके बाद अकासा और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी जुड़ेंगी। आधुनिक सुविधाओं और सुरक्षा मंजूरी के साथ यह एयरपोर्ट एनसीआर और पश्चिमी यूपी की कनेक्टिविटी, व्यापार, पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

15 जून से शुरू करेगा वाणिज्यिक उड़ानें

- **नोएडा एयरपोर्ट 15 जून से शुरू करेगा उड़ानें**
- **आधुनिक सुविधाओं से लैस एयरपोर्ट से एनसीआर और पश्चिमी यूपी की कनेक्टिविटी होगी मजबूत**

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (Noida International Airport) ने शुक्रवार को घोषणा की है कि वह 15 जून से वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन शुरू करेगा। हवाईअड्डा संचालक के अनुसार, इस दिन से यात्री सेवाओं की शुरुआत हो जाएगी और पहली उड़ान का संचालन इंडिगो करेगी। इसके बाद अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी जल्द ही अपनी सेवाएं शुरू करेंगी। यह महत्वपूर्ण कदम उस समय उठाया गया है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हवाईअड्डे का उद्घाटन किया जा चुका है और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (BCAS) से हवाईअड्डा सुरक्षा कार्यक्रम (ASP) को मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के बाद यह सुनिश्चित हो गया है कि हवाईअड्डे की सुरक्षा व्यवस्था, ढांचा और परिचालन प्रक्रियाएं सभी नियामकीय मानकों के अनुरूप हैं। कंपनी ने बताया कि उड़ानों के समय, गंतव्यों और यात्री सुविधाओं से जुड़ी विस्तृत जानकारी जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी। यह हवाईअड्डा दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बढ़ती हवाई यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे में आधुनिक टर्मिनल, उन्नत तकनीक और कुशल संचालन प्रणाली की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे यात्रियों को एक सुगम और बेहतर अनुभव मिल सके। साथ ही एयरलाइंस के लिए लागत-कुशल और विश्वसनीय संचालन की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। अधिकारियों के अनुसार, इस हवाईअड्डे के वाणिज्यिक संचालन शुरू होने से क्षेत्रीय संपर्क में सुधार होगा और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। इससे व्यापार, पर्यटन और निवेश के अवसर भी बढ़ेंगे। यह हवाईअड्डा दिल्ली-एनसीआर को देश और विदेश के प्रमुख गंतव्यों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा। वर्तमान में यहां एक रनवे और एक यात्री टर्मिनल विकसित किया गया है, जिसकी प्रारंभिक क्षमता लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों प्रति वर्ष है। दीर्घकालिक मास्टर प्लान के तहत इस हवाईअड्डे की क्षमता को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर सात करोड़ से अधिक यात्रियों तक ले जाने की योजना है। इससे यह उत्तर भारत का एक प्रमुख एविएशन हब बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

ट्रंप और जर्मन चांसलर मर्ज़ के बीच बढ़ा कूटनीतिक तनाव

अमेरिका और जर्मनी के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ता दिखाई दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ पर तीखे हमले करते हुए कहा कि उन्हें अपने देश की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए और ईरान जैसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।यह विवाद तब और बढ़ गया जब दोनों नेताओं के बीच ईरान संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध और नाटो सहयोग जैसे मुद्दों पर मतभेद सामने आए। ट्रंप ने आरोप लगाया कि मर्ज़ अपने देश की आंतरिक समस्याओं जैसे आव्रजन और ऊर्जा संकट को संभालने में विफल रहे हैं और रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने में भी सफल नहीं हुए। इससे पहले मर्ज़ ने अमेरिका की ईरान नीति की आलोचना की थी, जिसके बाद ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया दी। तनाव तब और बढ़ा जब ट्रंप ने जर्मनी में तैनात अमेरिकी सैनिकों की संख्या घटाने की संभावना जताई। फिलहाल जर्मनी में करीब 36 से 39 हजार अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं।जर्मन विदेश मंत्रालय ने कहा कि सैनिकों की तैनाती में बदलाव कोई नई बात नहीं है और नाटो सहयोग जारी रहेगा। वहीं मर्ज़ ने बाद में अमेरिका के साथ मजबूत संबंधों की जरूरत पर जोर दिया।

राहुल गांधी को हाईकोर्ट से राहत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। यह मामला उनके एक पुराने बयान से जुड़ा था, जिस पर शुक्रवार को हाईकोर्ट की एकल पीठ ने अपना फैसला सुनाया। जानकारी के अनुसार, इस मामले में कोर्ट ने पहले ही सुनवाई पूरी कर ली थी और 8 अप्रैल को फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने याचिका को पूरी तरह अस्वीकार करते हुए राहत प्रदान की है। यह विवाद राहुल गांधी के उस बयान से शुरू हुआ था, जो उन्होंने 15 जनवरी 2025 को कांग्रेस के नए मुख्यालय "इंदिरा भवन" के उद्घाटन के दौरान दिया था। याचिकाकर्ता सिमरन गुप्ता ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी का बयान देश के खिलाफ है और इस पर एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। सिमरन गुप्ता ने पहले यह शिकायत संभल की निचली अदालत में दायर की थी, लेकिन वहां से उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी। इसके बाद उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया। हालांकि, हाईकोर्ट ने भी निचली अदालत के फैसले को सही माना और याचिका को कमजोर बताते हुए खारिज कर दिया। कोर्ट के इस फैसले के बाद राहुल गांधी को कानूनी तौर पर बड़ी राहत मिली है।

लद्दाख में श्वेत क्रांति को नई रफ्तार

अमित शाह ने करगिल में डेयरी प्लांट की रखी नींव

लद्दाख में श्वेत क्रांति को नई गति देने के उद्देश्य से केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को करगिल में एक महत्वपूर्ण डेयरी परियोजना की आधारशिला रखी। इस परियोजना के तहत प्रतिदिन 10,000 लीटर दूध प्रसंस्करण क्षमता वाला आधुनिक डेयरी प्लांट स्थापित किया जाएगा।यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' विजन के तहत शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य लद्दाख के दुर्गम क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 25 करोड़ रुपये है और इसे राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) की सहायक कंपनी द्वारा विकसित किया जा रहा है। परियोजना के तहत मोबाइल दूध परीक्षण प्रयोगशालाएं, आधुनिक कूलिंग सिस्टम और डिजिटल मिल्क कलेक्शन सिस्टम भी स्थापित किए जाएंगे, जिससे किसानों से सीधे दूध संग्रह और उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकेगी। यह संयंत्र 350 किलोवाट सौर ऊर्जा से संचालित होगा, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ बनेगा। सरकार का लक्ष्य इस पहल के जरिए डेयरी क्षेत्र को आधुनिक बनाना, पारदर्शी भुगतान प्रणाली लागू करना और किसानों की आय में वृद्धि करना है। अब तक इस नेटवर्क से करीब 1,700 किसान जुड़ चुके हैं और प्रतिदिन लगभग 7,000 लीटर दूध का संग्रह हो रहा है।

बंगाल में सियासी घमासान

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, 15 बूथों पर होगा पुनर्मतदान

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के बीच बढ़ते राजनीतिक विवाद के बीच चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। आयोग ने 2 मई को राज्य के 15 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया है। यह कदम मतदान प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के बाद उठाया गया है। 4 मई को होने वाली मतगणना से ठीक पहले राज्य में सियासी माहौल और भी गर्म हो गया है। मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल ने स्पष्ट किया है कि मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना नहीं है। चुनाव आयोग के अनुसार, पुनर्मतदान डायमंड हार्बर और मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्रों में कराया जाएगा। इसमें मगराहाट पश्चिम के 11 और डायमंड हार्बर के 4 मतदान केंद्र शामिल हैं। इन सभी बूथों पर पहले हुई वोटिंग को रद्द कर दिया गया है। मतदान प्रक्रिया सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगी। आयोग ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं और मतदाताओं तक सही जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि पुनर्मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

बरगी बांध क्रूज़ हादसा

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की 'येलो अलर्ट' चेतावनी को किया नजरअंदाज

बरगी बांध में क्रूज़ हादसे में 9 लोगों की मौत हुई। बचे यात्रियों ने क्रू की लापरवाही, लाइफ जैकेट की कमी और चेतावनियों की अनदेखी का आरोप लगाया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की चेतावनी के बावजूद क्रूज़ चलाया गया, जिससे हादसा हुआ; बचाव अभियान जारी है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

बरगी बांध में गुरुवार शाम हुआ क्रूज़ हादसा अब सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि गंभीर लापरवाही का मामला बनता जा रहा है। इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य लापता बताए जा रहे हैं। बचे हुए यात्रियों के बयान सामने आने के बाद पर्यटन विभाग और क्रू सदस्यों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।हादसे से बचे यात्रियों ने जो आपबीती सुनाई है, वह इस त्रासदी की भयावहता को बयां करती है। एक पीड़ित पिता ने कहा, "सब कुछ 2-3 मिनट में खत्म हो गया। हम चिल्लाते रहे कि नाव को किनारे ले चलो, लेकिन क्रू ने हमारी एक नहीं सुनी।"जानकारी के मुताबिक, यह हादसा उस समय हुआ जब नर्मदा नदी के बैकवाटर में चल रहा क्रूज़ अचानक तेज़ हवाओं के बीच संतुलन खो बैठा और पलट गया। क्रूज़ में लगभग 30 लोग सवार थे, जबकि क्रू के केवल दो सदस्य मौजूद थे। दिल्ली के रहने वाले प्रदीप कुमार, जो इस हादसे में बच गए, ने बताया कि नाव पर सुरक्षा के बुनियादी इंतजाम तक नहीं थे। उन्होंने कहा, "हम सभी को पहले से लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी। जब स्थिति बिगड़ी, तब जल्दबाजी में उन्हें बांटा गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई।" प्रदीप कुमार ने आरोप लगाया कि खराब मौसम के बावजूद क्रू ने यात्रियों की चेतावनियों को नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा, "किनारे से लोग इशारा कर रहे थे कि नाव को वापस ले जाओ, लेकिन ऑपरेटर अपने रास्ते पर ही चलता रहा।" प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही तेज़ हवाएं चलीं, पानी में उथल-पुथल बढ़ गई और कुछ ही मिनटों में क्रूज़ पलट गया। कई यात्री पानी में गिर गए। स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए पहुंचे और रस्सियों की मदद से कुछ लोगों को बचाया। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक 15 लोगों को सुरक्षित निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि लापता लोगों की तलाश जारी है। बचाव कार्य में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (SDRF) और अन्य टीमें जुटी हुई हैं, हालांकि कम रोशनी के कारण राहत कार्यों में दिक्कतें आईं। इस हादसे में सबसे बड़ी लापरवाही यह सामने आई है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने पहले ही तेज हवाओं को लेकर 'येलो अलर्ट' जारी किया था। इसके बावजूद क्रूज़ संचालन की अनुमति दे दी गई।घटना के बाद राज्य मंत्री राकेश सिंह ने मौके का दौरा कर इसे "बेहद दुर्भाग्यिपूर्ण" बताया और मृतकों के परिजनों को 4 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की। इस हादसे ने पर्यटन गतिविधियों में सुरक्षा मानकों, प्रशासनिक निगरानी और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, यह साफ होता जा रहा है कि यदि समय रहते चेतावनियों पर ध्यान दिया जाता और सुरक्षा नियमों का पालन होता, तो शायद इतनी बड़ी त्रासदी टाली जा सकती थी।

डोनाल्ड ट्रंप का दावा टैरिफ की धमकी देकर रोका भारत-पाक परमाणु युद्ध

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। गुरुवार को व्हाइट हाउस में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर के दौरान उन्होंने दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध को "टैरिफ" (आयात शुल्क) की धमकी देकर रोक दिया था। पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि दो परमाणु शक्तियां आमने-सामने थीं और स्थिति बेहद गंभीर थी। उन्होंने दावा किया, "मैंने कहा कि अगर आप लड़ाई जारी रखते हैं तो मैं आप पर भारी टैरिफ लगा दूंगा। इसके बाद दोनों पक्ष पीछे हट गए।" उन्होंने यह भी कहा कि इस कदम से "करोड़ों लोगों की जान बची।" ट्रंप ने यह भी दोहराया कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कई अंतरराष्ट्रीय संघर्षों को सुलझाया है। उनके मुताबिक, उन्होंने "आठ युद्धों को रोका" और खुद को एक "शांतिदूत" बताया। इससे पहले भी वह कई मंचों पर भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम कराने का श्रेय लेते रहे हैं।हालांकि, ट्रंप के इन दावों पर भारत की ओर से अलग रुख सामने आया है। भारत ने स्पष्ट किया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान संघर्ष विराम पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (DGMO) द्वारा अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क करने के बाद हुआ था, न कि किसी बाहरी दबाव के कारण।भारत ने यह सैन्य कार्रवाई जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की थी, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoJK) में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया गया।ट्रंप के बयान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बहस छेड़ दी है। जहां उनके समर्थक इसे कूटनीतिक सफलता बता रहे हैं, वहीं आलोचक इसे बढ़ा-चढ़ाकर किया गया दावा मान रहे हैं।

गौतम बुद्ध नगर में मजदूर दिवस से पहले कड़ी सुरक्षा

BNSS धारा 163 लागू, 8 मई तक जिले में प्रतिबंध

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस (1 मई) को देखते हुए गौतम बुद्ध नगर में सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से सख्त कर दिया गया है। प्रशासन ने 13 अप्रैल को हुए हिंसक मजदूर प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए एहतियातन पूरे जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 163 लागू कर दी है, जो 8 मई तक प्रभावी रहेगी। इस प्रतिबंध का मुख्य उद्देश्य कानून-व्यवस्था बनाए रखना और औद्योगिक क्षेत्रों में सामान्य कामकाज सुनिश्चित करना बताया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों (MNCs), औद्योगिक इकाइयों, प्रमुख चौराहों और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। पुलिस के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल लगाया गया है। इसमें छह पुलिस अधीक्षक (SP), 14 अतिरिक्त SP, 30 सर्किल अधिकारी, 65 इंस्पेक्टर, 400 सब-इंस्पेक्टर, 150 महिला सब-इंस्पेक्टर, 900 कांस्टेबल और 200 महिला कांस्टेबल शामिल हैं। इसके अलावा प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (PAC) की 10 कंपनियां भी तैनात की गई हैं। साथ ही दो DCP, तीन अतिरिक्त DCP और चार ACP स्तर के अधिकारी भी निगरानी में लगाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखने के लिए आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जा रहा है। कंट्रोल रूम में एक राजपत्रित अधिकारी को तैनात किया गया है, जो पूरे जिले की CCTV फीड की निगरानी कर रहा है।

इसके साथ ही 50 से अधिक ड्रोन पॉइंट्स के जरिए संवेदनशील इलाकों की हवाई निगरानी की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) राजीव नारायण मिश्रा ने बताया कि औद्योगिक इकाइयों और मजदूर संगठनों के साथ लगातार संवाद बनाए रखा जा रहा है ताकि किसी भी तरह की अफवाह या तनाव की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि BNSS की धारा 163 लागू करने का मकसद भीड़ नियंत्रण और अफवाहों को रोकना है, ताकि मजदूर दिवस के दौरान और उसके बाद भी शांति बनी रहे और औद्योगिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहें। गौरतलब है कि 13 अप्रैल को जिले में मजदूरों द्वारा वेतन वृद्धि और बेहतर कार्य परिस्थितियों की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुआ था, जो बाद में हिंसक हो गया था।

ऊर्जा संकट में पाकिस्तान घुटनों पर, भारत बना 'स्थिर चट्टान'

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

वैश्विक वित्तीय सलाहकार और 'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने एक हालिया पोस्ट में भारत और पाकिस्तान की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिति के बीच बड़ा अंतर उजागर किया है। उन्होंने कहा कि जहां पाकिस्तान ऊर्जा संकट से जूझ रहा है, वहीं भारत वैश्विक चुनौतियों के बीच भी स्थिर बना हुआ है। कियोसाकी ने पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज़ मलिक के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि देश के पास एक दिन का भी रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार नहीं है। इससे पहले मंत्री ने दावा किया था कि पाकिस्तान की ईंधन आपूर्ति "सुरक्षित और स्थिर" है और स्थिति भारत से बेहतर है। ईरान से जुड़े तनाव और होर्मुज़ जलडमरूमध्य में बाधा के बाद पाकिस्तान में ईंधन कीमतों में भारी उछाल आया। अप्रैल 2026 में पेट्रोल की कीमत 321 PKR से बढ़कर 458 PKR प्रति लीटर हो गई, जबकि डीज़ल 335 PKR से 520 PKR तक पहुंच गया। इस तेज़ वृद्धि के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और आपूर्ति व्यवस्था पर भी असर पड़ा। इसके विपरीत, भारत में वैश्विक तेल संकट के बावजूद पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें अपेक्षाकृत स्थिर रहीं। कियोसाकी के अनुसार, भारत ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तैयार किए हैं, जो आपात स्थिति में 60-70 दिनों तक आपूर्ति बनाए रख सकते हैं। साथ ही, भारत ने रूस और अन्य देशों से तेल आपूर्ति बढ़ाकर अपने नेटवर्क को मजबूत किया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत दुनिया के प्रमुख रिफाइनिंग हब में से एक है, जिससे वह वैश्विक झटकों को बेहतर तरीके से संभालने में सक्षम है। वहीं पाकिस्तान पूरी तरह आयात पर निर्भर है और सीमित विदेशी मुद्रा भंडार के कारण संकट के समय अधिक प्रभावित होता है। कियोसाकी की टिप्पणी ने दोनों देशों की आर्थिक तैयारी और ऊर्जा सुरक्षा के अंतर को उजागर करते हुए नई बहस छेड़ दी है।

अमेरिका–ईरान तनाव में नया मोड़, ट्रंप ने युद्ध समाप्त बताया

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी तनाव में एक नया राजनीतिक और कानूनी मोड़ सामने आया है। ट्रंप प्रशासन ने दावा किया है कि मध्य पूर्व में उसका सैन्य अभियान अब "समाप्त" हो चुका है, क्योंकि पिछले एक महीने से दोनों देशों के बीच युद्धविराम (सीजफायर) लागू है। इस दावे के पीछे एक महत्वपूर्ण कानूनी रणनीति मानी जा रही है, जिसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन यह तर्क दे रहा है कि अब उसे कांग्रेस से युद्ध शक्तियों (War Powers) के तहत किसी भी नई सैन्य कार्रवाई की अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। अमेरिकी कानून के अनुसार, राष्ट्रपति को किसी भी बड़े सैन्य अभियान को 60 दिनों के भीतर कांग्रेस की मंजूरी लेना या उसे समाप्त करना होता है। ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें युद्ध सचिव पीट हेगसेथ भी शामिल हैं, ने कहा है कि 7 अप्रैल के बाद से अमेरिकी और ईरानी सेनाओं के बीच किसी भी प्रकार की गोलीबारी नहीं हुई है। इसी आधार पर व्हाइट हाउस का कहना है कि मौजूदा स्थिति "युद्धविराम" की है, और ऐसे में 60 दिनों की समयसीमा लागू नहीं होती या स्थगित मानी जा सकती है।हालांकि इस व्याख्या को लेकर अमेरिका में राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। डेमोक्रेटिक सीनेटर टिम केन ने इसे खारिज करते हुए कहा कि यह कानून की गलत व्याख्या है और इससे राष्ट्रपति को अनियंत्रित सैन्य अधिकार मिल सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा रुख अमेरिकी संविधान और कांग्रेस की भूमिका को कमजोर कर सकता है। उधर, युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने प्रशासन के रुख का बचाव करते हुए कहा कि पेंटागन नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है और युद्धविराम की स्थिति में सैन्य कार्रवाई पर पुनर्विचार किया जा रहा है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के साथ बातचीत जारी है, हालांकि इसकी विस्तृत जानकारी सीमित लोगों तक ही है।

संपादक की कलम से

भारत तेजी से डिजिटल क्रांति की ओर बढ़ रहा है। मोबाइल, इंटरनेट, ऑनलाइन सेवाएँ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने आम जीवन को काफी आसान बना दिया है। बैंकिंग से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य से लेकर सरकारी योजनाओं तक—हर क्षेत्र में तकनीक ने अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। लेकिन इस विकास के साथ-साथ कुछ नई चुनौतियाँ भी सामने आ रही हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना भविष्य के लिए खतरनाक हो सकता है। डिजिटल युग ने जहां एक ओर लोगों को सुविधा दी है, वहीं दूसरी ओर साइबर अपराधों में भी तेजी से वृद्धि हुई है। ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, बैंक फ्रॉड और सोशल मीडिया हैकिंग जैसी घटनाएँ अब आम हो गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण लोग इन अपराधों का आसान शिकार बन जाते हैं। कई बार थोड़ी सी लापरवाही पूरे जीवन की जमा पूंजी को खतरे में डाल देती है।इसके अलावा सोशल मीडिया का प्रभाव भी गहराई से समाज पर पड़ रहा है। जहां एक तरफ यह जानकारी और संवाद का माध्यम बना है, वहीं दूसरी ओर गलत सूचना और अफवाहें तेजी से फैलने का कारण भी बन रहा है। बिना सत्यापन के खबरें शेयर करना कई बार सामाजिक तनाव और भ्रम की स्थिति पैदा कर देता है। सरकार द्वारा डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से तकनीक को हर घर तक पहुंचाने का प्रयास सराहनीय है, लेकिन इसके साथ डिजिटल शिक्षा और जागरूकता को भी समान रूप से बढ़ाना जरूरी है। केवल इंटरनेट पहुंचाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों को इसका सुरक्षित उपयोग सिखाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। शिक्षा क्षेत्र में ऑनलाइन लर्निंग ने नई दिशा दी है, लेकिन ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग अभी भी इससे पूरी तरह जुड़ नहीं पाए हैं। इससे डिजिटल डिवाइड यानी तकनीकी असमानता की समस्या सामने आ रही है। यदि समय रहते इस अंतर को नहीं भरा गया, तो यह सामाजिक असंतुलन का कारण बन सकता है।डिजिटल युग में बच्चों और युवाओं पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अत्यधिक मोबाइल उपयोग, गेमिंग की लत और सोशल मीडिया की दुनिया में खो जाना उनके मानसिक और शारीरिक विकास पर असर डाल सकता है। अभिभावकों और शिक्षकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे संतुलित उपयोग की आदत विकसित कराएं। निष्कर्ष यह है कि डिजिटल युग एक अवसर भी है और चुनौती भी। यदि इसे सही दिशा में उपयोग किया जाए तो यह देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। लेकिन लापरवाही और जागरूकता की कमी इसे गंभीर समस्याओं का कारण भी बना सकती है। इसलिए जरूरी है कि हम तकनीक को अपनाते हुए उसके सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग को भी प्राथमिकता दें।

ममता बनर्जी आधी रात स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचीं, EVM में छेड़छाड़ का आरोप

पश्चिम बंगाल चुनाव नतीजों से पहले ममता बनर्जी ने कोलकाता के काउंटिंग सेंटर पहुंचकर EVM में छेड़छाड़ का आरोप लगाया। BJP ने भी नकली मशीनों का आरोप लगाया। दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा, जबकि ममता ने एजेंटों से स्ट्रॉन्ग रूम की निगरानी करने और गड़बड़ी के खिलाफ लड़ने की अपील की।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों से ठीक पहले राज्य की सियासत में तनाव चरम पर पहुंच गया है। गुरुवार देर रात राजधानी कोलकाता के भवानीपुर स्थित सखावत मेमोरियल स्कूल में बने स्ट्रॉन्ग रूम और काउंटिंग सेंटर पर उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद मौके पर पहुंच गईं। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) के साथ संभावित छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए कड़ी आपत्ति जताई और चेतावनी दी कि किसी भी तरह की अनियमितता के खिलाफ वह "आखिरी सांस तक लड़ेंगी।" जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री करीब चार घंटे तक दक्षिण कोलकाता के काउंटिंग सेंटर में मौजूद रहीं और रात लगभग 12:07 बजे बाहर निकलीं। शुरुआत में उन्हें स्ट्रॉन्ग रूम में प्रवेश करने से रोका गया, लेकिन बाद में रिटर्निंग ऑफिसर (RO) से बातचीत के बाद उन्हें परिसर में जाने की अनुमति मिल गई। नियमों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों और उनके चुनाव एजेंटों को सील किए गए कमरे तक जाने की अनुमति होती है, लेकिन अंदर जाने की नहीं। मौके से बाहर आने के बाद पत्रकारों से बातचीत में ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "हमें सूचना मिली है कि जहां EVM मशीनें रखी गई हैं, वहां गड़बड़ी हो रही है। इसलिए मैंने खुद आकर स्थिति का जायजा लेने का फैसला किया। शुरू में केंद्रीय बलों ने मुझे रोका, लेकिन बाद में अनुमति दी गई।" उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई वोटों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश करेगा, तो वह इसके खिलाफ पूरी ताकत से संघर्ष करेंगी। साथ ही उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के एजेंटों से अपील की कि वे अपने वोटों की सुरक्षा सुनिश्चित करें, लेकिन आपसी टकराव से बचें। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव की घोषणा के बाद राज्य पुलिस चुनाव आयोग के अधीन काम करती है और किसी "सुपर पावर" के दबाव की भी आशंका जताई। इस दौरान काउंटिंग सेंटर के बाहर भी माहौल बेहद तनावपूर्ण रहा। भारतीय जनता पार्टी (BJP) के कार्यकर्ताओं ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) के एक मिनी ट्रक को रोककर विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि इस वाहन में "नकली EVM मशीनें" लाई जा रही हैं, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर छेड़छाड़ के लिए किया जा सकता है। प्रदर्शनकारियों ने ट्रक के सामने धरना देते हुए उसे आगे बढ़ने से रोक दिया।एक BJP कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि TMC की गाड़ी में संदिग्ध सामग्री है और उसे काउंटिंग सेंटर के पास आने नहीं दिया जाएगा। वहीं, TMC की ओर से इन आरोपों को निराधार बताया गया।इसी बीच उत्तरी कोलकाता के खुदीराम अनुशीलन केंद्र के बाहर भी TMC नेताओं कुणाल घोष और शशि पांजा ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने भी EVM में संभावित गड़बड़ी का आरोप लगाया, जिसके चलते TMC और BJP समर्थकों के बीच झड़पें देखने को मिलीं। इससे पहले ममता बनर्जी ने एक वीडियो संदेश जारी कर पार्टी कार्यकर्ताओं और पोलिंग एजेंटों से स्ट्रॉन्ग रूम पर 24 घंटे निगरानी रखने की अपील की थी। उन्होंने आशंका जताई थी कि मतगणना से पहले मशीनों के साथ छेड़छाड़ की कोशिश हो सकती है।

हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हवाई किराए में ₹10,000 की बढ़ोतरी की

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

हज यात्रियों के हवाई किराए में 10,000 रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी को लेकर देश में नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार यह बढ़ोतरी एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) की कीमतों में आई तेज़ वृद्धि के कारण की गई है। सरकार ने इसे वैश्विक परिस्थितियों के चलते "मजबूरी" बताया है, जबकि विपक्ष ने इसे यात्रियों का शोषण करार दिया है। सर्कुलर के मुताबिक, प्रत्येक हज यात्री को 100 अमेरिकी डॉलर (करीब 10,000 रुपये) अतिरिक्त भुगतान करना होगा। यह राशि सभी यात्रियों पर समान रूप से लागू होगी और उन्हें 15 मई तक जमा करनी होगी। उल्लेखनीय है कि हज, मक्का में होने वाली वार्षिक इस्लामी तीर्थयात्रा है, जिसमें भारत से बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। सरकार का कहना है कि 28 फरवरी के बाद से मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के चलते ATF की कीमतें दोगुनी से अधिक हो गई हैं, जिससे एयरलाइंस की लागत पर भारी असर पड़ा है। आमतौर पर ATF किसी भी एयरलाइन की कुल लागत का 30-40 प्रतिशत होता है।हालांकि, इस फैसले से यात्रियों में नाराजगी देखी जा रही है। असदुद्दीन ओवैसी ने इस बढ़ोतरी को "अन्यायपूर्ण" बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर हज यात्री आर्थिक रूप से साधारण वर्ग से आते हैं और वर्षों तक बचत करके इस यात्रा पर जाते हैं। वहीं, कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने भी सरकार से सवाल किया कि जब किराया पहले तय हो चुका था, तो अंतिम समय पर यह बढ़ोतरी क्यों की गई। विवाद बढ़ने पर अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने सफाई देते हुए कहा कि एयरलाइंस ने शुरुआत में $300-$400 अतिरिक्त शुल्क की मांग की थी, जिसे सरकार के हस्तक्षेप से घटाकर $100 किया गया। उन्होंने कहा कि यह फैसला पारदर्शिता के साथ लिया गया है ताकि हज यात्रा प्रभावित न हो।मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया कि यह "शोषण" नहीं, बल्कि यात्रियों को बड़े आर्थिक बोझ से बचाने का प्रयास है।

मज़दूर दिवस विशेष सत्र हंगामे की भेंट

कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल ने CM को घेरा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब विधानसभा का मज़दूर दिवस (1 मई) को समर्पित विशेष सत्र शुक्रवार को भारी हंगामे की भेंट चढ़ गया। विपक्ष ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि वह सदन की कार्यवाही में कथित तौर पर शराब के नशे में शामिल हुए थे। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल (SAD) ने सरकार को घेरते हुए मुख्यमंत्री के मेडिकल टेस्ट की मांग की।विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने मामले को और तूल देते हुए कहा कि सच्चाई सामने लाने के लिए सभी विधायकों का अल्कोहल मीटर टेस्ट कराया जाना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि जब राज्य के मुख्यमंत्री पर ऐसे गंभीर आरोप लगे हैं, तो पारदर्शिता के लिए व्यापक जांच जरूरी है। शिरोमणि अकाली दल ने भी इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया। पार्टी ने विधानसभा की कुछ वीडियो क्लिप साझा करते हुए मुख्यमंत्री के व्यवहार पर सवाल उठाए और इसे "बेहद शर्मनाक" बताया। SAD ने मांग की कि मुख्यमंत्री जनता के सामने डोप टेस्ट कराकर स्थिति स्पष्ट करें। इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आरोपों को सीधे तौर पर खारिज नहीं किया, लेकिन उन्होंने कहा कि यह सत्र मज़दूर दिवस को समर्पित है और सभी सदस्यों को बहस से बचते हुए सदन की गरिमा बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे मुद्दों पर चर्चा करें और अनावश्यक विवाद से बचें। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार ने मजदूर वर्ग को सम्मान देने और उनके मुद्दों पर चर्चा के लिए यह विशेष सत्र बुलाया था। हालांकि, विपक्ष का कहना है कि सरकार इस सत्र का राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर मजदूरों की समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। इस घटनाक्रम के बाद विधानसभा में तनावपूर्ण माहौल बना रहा और सत्र का बड़ा हिस्सा हंगामे की भेंट चढ़ गया।

महिंद्रा ग्रुप को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका

हार्वर्ड से शिक्षा, वैश्विक सोच से बदली कंपनी की दिशा

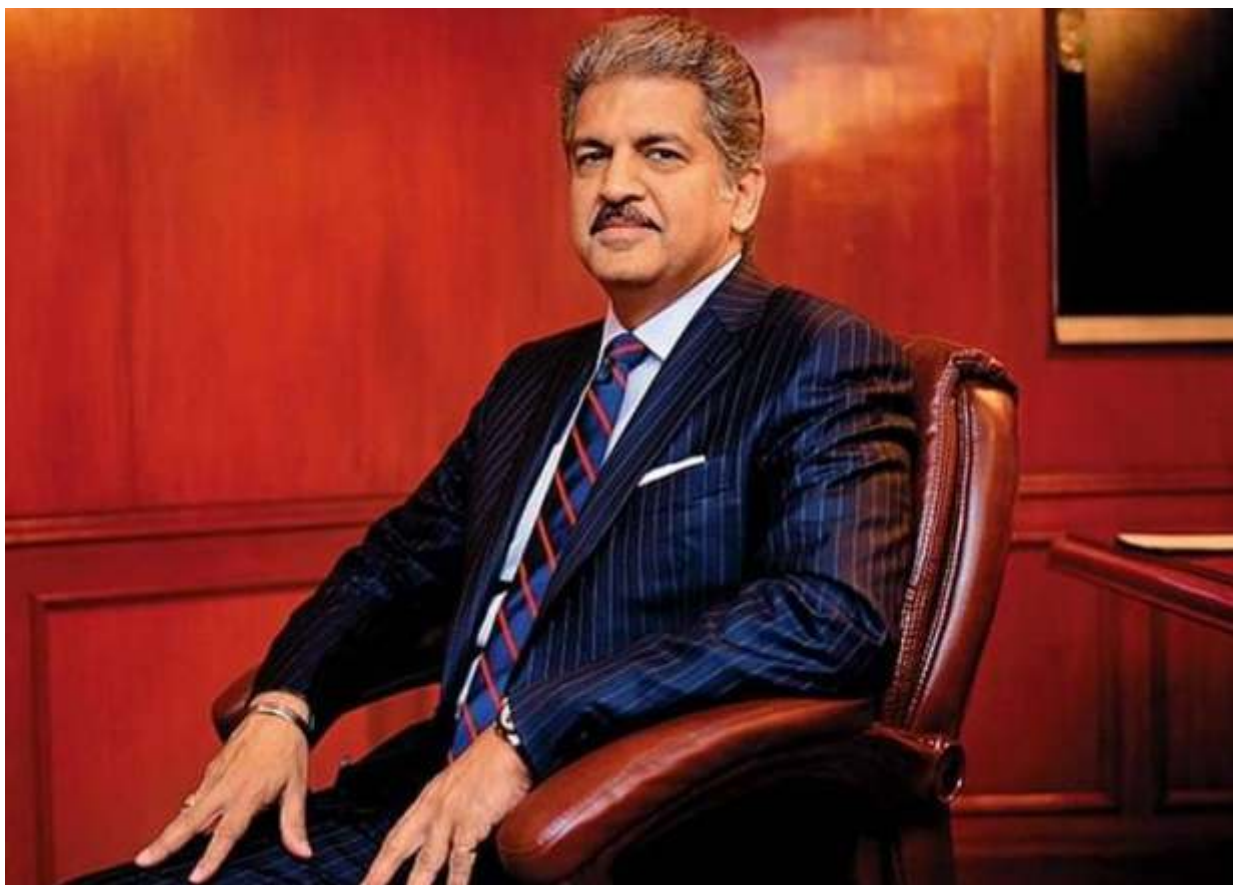

देश के प्रमुख उद्योगपति और महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा आज 1 मई को अपना 71वां जन्मदिन मना रहे हैं। भारतीय उद्योग जगत में उनकी पहचान एक दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता के रूप में रही है, जिन्होंने पारंपरिक ऑटोमोबाइल कारोबार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हुए समूह को बहुआयामी क्षेत्रों में विस्तार दिया। आनंद महिंद्रा का जन्म 1 मई 1955 को हुआ था। वे महिंद्रा परिवार की तीसरी पीढ़ी से आते हैं और बचपन से ही व्यवसायिक वातावरण में पले-बढ़े। उनकी शिक्षा अंतरराष्ट्रीय स्तर की रही है। उन्होंने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से फिल्म निर्माण और आर्किटेक्चर की पढ़ाई की, जबकि हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एमबीए की डिग्री हासिल की। यही वह दौर था जब उनकी सोच वैश्विक दृष्टिकोण से विकसित हुई, जिसने आगे चलकर उनके कारोबारी फैसलों को प्रभावित किया।अपने करियर की शुरुआत उन्होंने समूह की कंपनी MUSCO में फाइनेंस डायरेक्टर के रूप में की। अपनी कार्यक्षमता और नेतृत्व क्षमता के दम पर वे जल्द ही प्रबंध निदेशक (MD) के पद तक पहुंचे। इसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे पूरे समूह की कमान संभाली और उसे नए क्षेत्रों में विस्तार देने की दिशा में काम किया। आनंद महिंद्रा के नेतृत्व में महिंद्रा ग्रुप ने केवल ऑटो सेक्टर तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि कृषि, रियल एस्टेट, पर्यटन, शिक्षा और एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। खासतौर पर भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में SUV सेगमेंट को लोकप्रिय बनाने में उनका अहम योगदान माना जाता है। साल 2002 में लॉन्च हुई महिंद्रा स्कॉर्पियो उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रही। इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व स्वयं आनंद महिंद्रा ने किया था। स्कॉर्पियो के लॉन्च के बाद भारतीय बाजार में SUV सेगमेंट को नई पहचान मिली। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2022 में इसके नए मॉडल की लॉन्चिंग के महज 30 मिनट के भीतर एक लाख से अधिक बुकिंग दर्ज हो गई थीं। उनकी उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। व्यवसाय के अलावा आनंद महिंद्रा सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहते हैं। वे अक्सर अपने विचार, प्रेरणादायक कहानियां और नवाचार से जुड़े उदाहरण साझा करते हैं। उनके पोस्ट युवाओं और उद्यमियों के बीच खासे लोकप्रिय रहते हैं। आर्थिक दृष्टि से भी वे देश के प्रमुख उद्योगपतियों में शामिल हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति लगभग 2.1 अरब डॉलर आंकी जाती है, जबकि महिंद्रा ग्रुप की वार्षिक आय करीब 19 अरब डॉलर के आसपास है। आनंद महिंद्रा का नेतृत्व भारतीय उद्योग जगत में नवाचार, विस्तार और वैश्विक सोच का प्रतीक माना जाता है। उनके जन्मदिन के अवसर पर देशभर से उन्हें शुभकामनाएं दी जा रही हैं, वहीं युवा पीढ़ी उन्हें एक प्रेरणास्रोत के रूप में देखती है।

श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत, सीरीज़ में 2-0 की अजेय बढ़त

श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे टी20 मुकाबले में बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम को 21 रन से हराकर सीरीज़ में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। इस जीत के साथ श्रीलंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीरीज़ पर लगभग कब्जा जमा लिया है।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने 22 रन पर पहला विकेट गंवा दिया। इसके बाद कप्तान चमारी अटापट्टू और इमेशा दुलानी ने पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी हुई। अटापट्टू ने 37 गेंदों पर 42 रन बनाए, जबकि दुलानी ने 25 गेंदों में 27 रन जोड़े।मध्यक्रम में हर्षिता समराविक्रमा ने तेज़ बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों पर 49 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 2 छक्के शामिल थे। अंतिम ओवरों में नीलाक्षिका सिल्वा ने नाबाद 22 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। श्रीलंका ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 154 रन बनाए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी रही और ओपनर्स ने 46 रन जोड़े। हालांकि पावरप्ले के बाद श्रीलंका के स्पिनरों ने मैच का रुख बदल दिया। 7 से 14 ओवर के बीच बांग्लादेश की टीम केवल 39 रन ही जोड़ सकी और 4 विकेट गंवा बैठी।शर्मीन अख्तर ने 47 गेंदों पर नाबाद 44 रन बनाए, लेकिन उनकी धीमी पारी टीम को जीत नहीं दिला सकी। श्रीलंका की ओर से कविशा दिल्हारी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 15 रन देकर 2 विकेट लिए और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। स्पिनरों के प्रभावी प्रदर्शन के कारण बांग्लादेश निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर लक्ष्य से पीछे रह गई। इस जीत के साथ श्रीलंका ने सीरीज़ में मजबूत पकड़ बना ली है।

हाई-स्कोरिंग मुकाबले में रिकॉर्ड्स की झड़ी,

IPL 2026 बना सबसे रोमांचक सीजन

लंदन मैराथन में इतिहास

दो धावकों ने 2 घंटे से कम में दौड़ पूरी की

लंदन मैराथन के इतिहास में रविवार का दिन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बन गया, जब पहली बार दो धावकों ने 42.195 किलोमीटर की दूरी 2 घंटे से कम समय में पूरी कर ली। यह उपलब्धि लंबे समय तक असंभव मानी जाती रही थी, लेकिन अब एथलेटिक्स की दुनिया में एक नई क्रांति की शुरुआत हो चुकी है। केन्या के सेबेस्टियन सावे ने 1 घंटा 59 मिनट 30 सेकंड में फिनिश लाइन पार कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। वहीं इथियोपिया के योमिफ केजेलचा ने 1:59:41 घंटे का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड केन्या के केल्विन किप्टुम के नाम था, जिन्होंने 2 घंटे 35 सेकंड का समय दर्ज किया था। यह उपलब्धि केवल खिलाड़ियों की मेहनत का नतीजा नहीं, बल्कि आधुनिक विज्ञान, बेहतर ट्रेनिंग तकनीकों और उन्नत उपकरणों का भी योगदान है। ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर साइमन एंगस के अनुसार, भविष्य में मैराथन का समय 1 घंटा 54 मिनट तक भी पहुंच सकता है। एंगस का कहना है कि उन्नत जूतों की तकनीक, बेहतर पोषण, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और रणनीतिक दौड़ने की शैली ने एथलीट्स की क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। हालांकि, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि खेल की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए डोपिंग नियंत्रण पर सख्ती जरूरी है। महिलाओं की दौड़ में भी इतिहास रचा गया।

पोस्ट-मैच चर्चा के दौरान बढ़ा विवाद,

माहौल हुआ गर्म

आईपीएल 2026 के दौरान एक मैच के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग और मुरली कार्तिक के बीच हुई बातचीत ने अचानक विवाद का रूप ले लिया। यह घटना मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गए मुकाबले के बाद की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, मैच के बाद दोनों पूर्व खिलाड़ी एक पोस्ट-मैच चर्चा में शामिल थे, जहां खेल के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत हो रही थी। इसी दौरान किसी मुद्दे पर असहमति बढ़ गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। बातचीत के दौरान सहवाग ने नाराजगी जाहिर करते हुए मजाकिया लेकिन तीखे अंदाज में यह तक कह दिया कि वह कार्तिक के मुंह पर "रेड बुल स्प्रे" कर देंगे। हालांकि यह टिप्पणी हल्के-फुल्के अंदाज में कही गई थी या गुस्से में, इस पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों के बीच तीखी बहस देखी जा सकती है। क्रिकेट जगत में दोनों खिलाड़ियों की पहचान साफगोई और बेबाक बयानबाजी के लिए रही है। वीरेंद्र सहवाग अपने आक्रामक अंदाज और स्पष्ट राय रखने के लिए जाने जाते हैं, जबकि मुरली कार्तिक भी कमेंट्री के दौरान अपने विश्लेषण के लिए चर्चित रहे हैं। इस घटना के बाद फैंस और क्रिकेट प्रेमियों के बीच बहस छिड़ गई है। कुछ लोग इसे मजाकिया तकरार मान रहे हैं, तो कुछ इसे पेशेवर मंच पर अनुचित व्यवहार बता रहे हैं। फिलहाल, इस मामले पर दोनों खिलाड़ियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हालांकि, यह घटना एक बार फिर दर्शाती है कि लाइव चर्चाओं के दौरान मतभेद किस तरह अचानक विवाद में बदल सकते हैं।

आईपीएल 2026 में हाई-वोल्टेज ड्रामा,

अंपायर के फैसले पर विवाद

आईपीएल 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटन्स ने मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 4 विकेट से हरा दिया। हालांकि, मैच का सबसे बड़ा आकर्षण मैदान पर हुआ हाई-वोल्टेज ड्रामा रहा, जिसमें स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अंपायर के फैसले से नाराज़ नजर आए।यह विवाद RCB की पारी के आठवें ओवर में हुआ। अर्शद खान की गेंद पर रजत पाटीदार ने पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन जेसन होल्डर ने शानदार डाइव लगाकर गेंद को जमीन के बेहद करीब लपक लिया। इस दौरान कगिसो रबाडा भी कैच के लिए दौड़ते हुए आए, जिससे स्थिति और भ्रमित हो गई। रीप्ले में यह साफ नहीं हो पाया कि गेंद ने जमीन को छुआ या नहीं, जिसके कारण फैसला तीसरे अंपायर के पास गया। लंबे समय तक वीडियो देखने के बाद भी स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकल सका, लेकिन 'सॉफ्ट सिग्नल' के आधार पर पाटीदार को आउट करार दिया गया। इस फैसले से RCB खेमे में नाराजगी साफ दिखी। डगआउट में बैठे विराट कोहली इस निर्णय से बेहद निराश नजर आए और बाद में उन्हें बाउंड्री लाइन के पास अंपायर से बहस करते हुए भी देखा गया। कोहली ने मैच में 13 गेंदों पर 28 रन बनाए थे। मैच की बात करें तो गुजरात टाइटन्स ने पहले शानदार गेंदबाजी करते हुए RCB को 19.2 ओवर में 155 रन पर ऑलआउट कर दिया। इसके जवाब में गुजरात ने 15.5 ओवर में 158/6 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की जीत में कप्तान शुभमन गिल (18 गेंदों में 43 रन) और जोस बटलर (19 गेंदों में 39 रन) ने अहम भूमिका निभाई, जबकि राहुल तेवतिया ने नाबाद 27 रन बनाकर मैच

खत्म किया। इस जीत के साथ गुजरात टाइटन्स ने दो महत्वपूर्ण अंक हासिल किए और अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई। वहीं, RCB 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है। मैच का परिणाम जितना अहम रहा, उससे कहीं ज्यादा चर्चा कोहली और अंपायर के बीच हुई बहस की रही।

वायरल वीडियो ने दिखाई असली तस्वीर

विदेश में पढ़ाई का सपना या संघर्ष?

कनाडा में पढ़ रही भारतीय छात्रा ज्योति खरायत का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कॉलेज से सीधे नौकरी करने की उनकी मजबूरी ने विदेश में पढ़ाई की असली हकीकत सामने रख दी है; सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि ये सिर्फ सपना नहीं, रोज की जंग है.

विदेश में पढ़ाई का सपना अक्सर चमकदार तस्वीरों के साथ देखा जाता है—बड़े कैंपस, नई लाइफ और बेहतर मौके। लेकिन इस सपने के पीछे एक ऐसी सच्चाई भी छिपी होती है, जहां रूटीन कभी रुकता नहीं। कनाडा में पढ़ रही भारतीय छात्रा ज्योति खरायत के एक वीडियो ने इसी हकीकत को सामने ला दिया है, जिसने हजारों लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया। ज्योति ने अपने रोजमर्रा के जीवन की एक सच्ची झलक साझा की है.

वीडियो में वह कॉलेज खत्म होते ही सीधे स्टारबक में अपनी शिफ्ट के लिए जाती नजर आती हैं. उनके पास आराम करने का लगभग कोई समय नहीं होता. यही वजह है कि यह वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों को बेहद असली और जुड़ा हुआ महसूस हुआ.

वीडियो में ज्योति बताती हैं कि वह एक ऐसे चक्र में फंसी हुई हैं, जहां पढ़ाई और काम एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते, वह कहती हैं कि स्कूल जाने के लिए फीस चाहिए, और फीस के लिए नौकरी चाहिए. यह एक ऐसा चक्र है, जो हर दिन उनके जीवन को तय करता है. क्लास, काम, सफर और फिर वही रूटीन दोहराना. इस व्यस्त दिनचर्या में ठहरने की गुंजाइश बहुत कम है, फिर भी वह इसे लगातार निभा रही हैं.

ज्योति का अनुभव केवल उनकी अपनी कहानी नहीं है, बल्कि विदेश में पढ़ने वाले कई छात्रों की हकीकत है. ऐसे छात्रों के लिए पार्ट-टाइम नौकरी सिर्फ अतिरिक्त कमाई का जरिया नहीं होती, बल्कि जरूरत बन जाती है. ट्यूशन फीस, किराया और रोजमर्रा के खर्च पूरे करने के लिए उन्हें पढ़ाई के साथ लंबे समय तक काम करना पड़ता है. ऐसे में हर दिन एक संतुलन बनाने की चुनौती बन जाता है. हालांकि इस वीडियो में सिर्फ संघर्ष ही नहीं, बल्कि एक सकारात्मक सोच भी नजर आती है. थकान और दबाव के बावजूद ज्योति इस सफर में खुशी ढूंढने की बात करती हैं. ⊙

आईआईटी स्टूडेंट ने सिखाया खर्च-बचत का मंत्र

पुणे में रहने वाले आकाश वरुडे नाम के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपनी मंथली लाइफस्टाइल और खर्चों का पूरा ब्रेकडाउन सोशल मीडिया पर शेयर किया है. 'Life after passing out from IIT' कैप्शन के साथ शेयर किए गए इस वीडियो में उन्होंने बताया कि एक 26 साल का इंजीनियर पुणे में अकेले रहते हुए हर महीने कितना खर्च करता है. आकाश ने बताया कि उनका सबसे बड़ा खर्च किराया है. ⊙

ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर है उपलब्ध

दुनिया की सबसे खट्टी टॉफी... जिसे खाते ही उछलने लगते हैं लोग

इंटरनेट पर हमेशा कोई न कोई चैलेंज ट्रेंड करता रहता है. इन दिनों ऐसे ही एक चैलेंज का वीडियो खूब वायरल हो रहा है. इसमें कुछ लोग दुनिया की सबसे खट्टी टॉफी या कैंडी खाने का दावा कर रहे हैं. इस वीडियो का सबसे मजेदार पहलु, कैंडी खाने के बाद लोगों के रिएक्शंस और एक्सप्रेशंस हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर @imanebourouis नाम के हैंडल से एक वीडियो शेयर किया गया है. इसके कैप्शन में लिखा है- दुनिया की सबसे खट्टी कैंडी खाते लोग. इसके बाद वीडियो में एक के बाद एक कुछ लोग इस सबसे खट्टी कैंडी को खाकर दिखाते हैं. सबसे पहले एक महिला इस कैंडी

को खाने का चैलेंज पूरा करने के लिए इसे जैसे ही मुंह में डालती है. उसका पूरा चेहरा अकड़ने लगता है. वह तुरंत कैंडी मुंह से निकाल लेती है. फिर भी कुछ सेकंड तक उसके एक्सप्रेशन ऐसे रहते हैं, जैसे उसकी जीभ पर किसी ततैये ने डंक मार दिया हो. इसके बाद एक और महिला कार में बैठकर इस कैंडी का स्वाद चखने की कोशिश करती है. ⊙

एलिफेंट इन द रूम, थाईलैंड की घटना

जब शॉपिंग करने पहुंच गया हाथी

थाईलैंड से एक मजेदार वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

इसमें एक जंगली हाथी बिना किसी हड़बड़ी के एक छोटी दुकान में घुसता है और बिल्कुल आम ग्राहक की तरह स्नैक्स उठाकर खाने लगता है. वीडियो में दिखता है कि हाथी आराम से दुकान के अंदर जाता है और अपनी सूंड से बड़ी सफाई के साथ खाने-पीने की चीजें उठाता है. वह मीठे राइस क्रैकर्स, सैंडविच और केले जैसी चीजें उठाकर वहीं खाता है. कुछ मिनट तक 'शॉपिंग' करने के बाद वह उसी रास्ते से बाहर निकल जाता है, जैसे कुछ हुआ ही न हो. स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस हाथी का नाम Plai Biang Tek

है और यह नेशनल पार्क के पास अक्सर नजर आता है. यह पहले भी इंसानी इलाकों में खाने की तलाश में आता रहा है.इस बार हाथी ने करीब 25 डॉलर के स्नैक्स खा लिए और थोड़ा बहुत सामान इधर-उधर कर दिया. हालांकि, किसी तरह की आक्रामकता नहीं दिखाई गई. बाद में एक वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन संगठन ने नुकसान की भरपाई कर दी, जिससे मामला शांत रहा. वीडियो के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं भी खूब मजेदार रहीं. किसी ने लिखा कि अगर वह होता तो जाते-जाते पानी की बोतल भी उठा लेता. वहीं कई यूजर्स ने एलिफेंट इन द रूम जैसे मजाकिया कमेंट किए. ⊙

'राजा शिवाजी' में सलमान खान की धमाकेदार सरप्राइज एंट्री, सिनेमाघरों में गूंजी सीटियां और तालियां

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान एक बार फिर अपने सरप्राइज अंदाज से सुर्खियों में छा गए हैं। इस बार उन्होंने रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी में अचानक एंट्री लेकर फैंस को चौंका दिया। फिल्म में सलमान खान एक छोटे लेकिन बेहद दमदार किरदार 'जीवा महाला' में नजर आ रहे हैं। जैसे ही फिल्म से उनके सीन के स्क्रीनशॉट और वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर सामने आए, इंटरनेट पर फैंस की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। फिल्म में सलमान खान का लुक काफी प्रभावशाली और रॉयल दिखाई दे रहा है। वह नारंगी रंग की पगड़ी, पारंपरिक कुर्ता और हाथ में मराठा तलवार लिए नजर आते हैं। उनके साथ रितेश देशमुख, जो फिल्म में छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभा रहे हैं, भी उसी फ्रेम में दिखाई देते हैं। यह दृश्य सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं रहा। कई जगहों पर उनकी एंट्री के दौरान सीटियां और तालियां गूंज उठीं।दिलचस्प बात यह है कि सलमान खान के इस कैमियो रोल को फिल्म की रिलीज तक पूरी तरह गुप्त रखा गया था। न तो इसका कोई प्रमोशन हुआ और न ही ट्रेलर में इसका कोई संकेत दिया गया। यही वजह है कि जब दर्शकों ने अचानक उन्हें स्क्रीन पर देखा तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा, "पूरी फिल्म एक तरफ और भाई की एंट्री एक तरफ।" वहीं कई फैंस ने इस कैमियो को फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण बताया। कुछ दर्शकों को सलमान खान का यह लुक और अंदाज उनकी पुरानी फिल्म वीर की याद भी दिला रहा है, जिसमें उन्होंने एक योद्धा की भूमिका निभाई थी। उनके फैंस का मानना है कि सलमान जब भी ऐतिहासिक या पीरियड लुक में नजर आते हैं, तो उनका व्यक्तित्व और भी ज्यादा प्रभावशाली हो जाता है। इस सरप्राइज एंट्री के पीछे की कहानी भी काफी दिलचस्प है। हाल ही में रितेश देशमुख ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि सलमान खान इस फिल्म का हिस्सा कैसे बने। उन्होंने बताया कि एक पार्टी के दौरान सलमान ने खुद इस फिल्म में काम करने की इच्छा जताई थी। जब रितेश ने कहा कि फिलहाल उनके लिए कोई रोल तय नहीं है, तो सलमान ने मजाकिया अंदाज में कहा, "तुम मेरे बिना यह फिल्म नहीं बना सकते, मुझे इसमें रहना ही है।" सलमान खान के इस मजाक में छिपे उनके स्नेह और उत्साह को देखते हुए रितेश देशमुख ने फिल्म में उनके लिए खास तौर पर 'जीवा महाला' का किरदार तैयार किया। भले ही यह रोल छोटा है, लेकिन इसकी प्रस्तुति इतनी दमदार है कि यह दर्शकों के मन में गहरी छाप छोड़ता है। फिल्म "राजा शिवाजी" पहले ही अपने विषय और प्रस्तुति को लेकर चर्चा में थी, लेकिन सलमान खान की इस अप्रत्याशित एंट्री ने इसे और भी खास बना दिया है। उनके कैमियो ने न केवल फिल्म की लोकप्रियता बढ़ाई है, बल्कि दर्शकों के बीच उत्साह भी दोगुना कर दिया है। कुल मिलाकर, सलमान खान ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनका स्टारडम केवल बड़े रोल्स तक सीमित नहीं है, बल्कि एक छोटे से किरदार में भी वह दर्शकों का दिल जीतने की पूरी क्षमता रखते हैं।

मजदूर दिवस पर योगी का बड़ा बयान

नए भारत के असली शिल्पकार हैं श्रमिक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मजदूर दिवस पर श्रमिकों को 'नए भारत' का शिल्पकार बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने आवास, राशन, रोजगार और स्वास्थ्य बीमा जैसी योजनाओं से श्रमिकों का जीवन बेहतर किया है। कोविड काल में प्रवासी मजदूरों की मदद और उद्योग वृद्धि से रोजगार बढ़ने का भी उल्लेख किया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

एक मई (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मजदूर दिवस पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''नए भारत'' के दृष्टिकोण में श्रमिक 'शिल्पकार' हैं।

मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के उत्थान के लिए उठाए गए विभिन्न कल्याणकारी उपायों को रेखांकित किया। 'श्रमवीर गौरव समारोह-2026' की शुरूआत के अवसर पर लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि श्रमिक विषम परिस्थितियों में भी अथक परिश्रम करते हैं और उनका योगदान राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक बयान के मुताबिक उन्होंने कहा, ''हमारा श्रमिक गर्मी, बरसात, लू कुछ किसी भी परिस्थिति में काम करता है और वह न रुकता है, न थकता है, न डिगता है। आपके पसीने की एक एक बूंद जब इस धरती पर पड़ती है, तो यह धरती माता सोना उगलने का काम भी करती हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''श्रमिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के निर्माता हैं।'' उन्होंने कहा कि पहले यह एक ''विरोधाभास'' था कि दूसरों के लिए घर बनाने वाले मजदूरों के पास अपना घर नहीं था। योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''जिन्होंने दूसरों के लिए घर और शौचालय बनाए, उनके पास अक्सर ऐसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था।'' उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में सरकारों ने इन मुद्दों के समाधान के लिए काम किया है। कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, पिछले 12 वर्षों में देश भर में लगभग चार करोड़ घर उपलब्ध कराए गए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश में 65 लाख शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 16 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''गरीबों को मिलने वाला राशन पहले लोग चट कर जाते थे।'' कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों की आलोचना की और आरोप लगाया कि वे संकट के दौरान अनुपस्थित थे, जबकि ''इबल इंजन सरकार'' ने राज्य में लौटने वाले प्रवासी श्रमिकों की सहायता सुनिश्चित की। उन्होंने कहा,''याद करिए इस सदी की सबसे बड़ी त्रासदी आई थी, कोरोना कालखंड में,ये जितने विपक्षी नेता हैं ना, ये सब रजाई तान करके सब अपने-अपने घरों में छुप गए थे, कोई दिखाई नहीं देता था। जब उत्तर प्रदेश का कामगार और श्रमिक अन्य राज्यों को छोड़ करके प्रदेश में वापस आ रहा था, तब न कांग्रेस थी न सपा थी न बसपा थी न कोई और दल था,तब केवल और केवल 'डबल इंजन' सरकार थी, मोदी जी थे और उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार, हमारे अधिकारी व कर्मचारी उनकी सहायता के लिए कार्य कर रहे थे।'' योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में राज्य में रोजगार के अवसर काफी बढ़े हैं, लगभग तीन करोड़ लोगों को एमएसएमई क्षेत्र में काम मिला है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में उद्योगों की संख्या 2017 से पहले लगभग 14,000 थी जो अब बढ़कर 32,000 से अधिक हो गई है, जिससे 65 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने श्रम और सेवायोजन विभाग से कहा है कि नए 'वेज बोर्ड' गठित करिए...। और कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों को सालाना 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा लाभ प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बैग जमा कराने के नाम पर छात्रों से वसूली का आरोप

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षाओं के दौरान वसूली का मामला सामने आया है। आरोप है कि छात्रों से बैग जमा कराने के नाम पर 20 रुपए लिए जा रहे थे। इसको लेकर विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों ने विरोध जताया और हंगामा किया। मामले से जुड़ा वीडियो भी सामने आया है। छात्रों का कहना है कि परीक्षा देने पहुंचे सभी स्टूडेंट्स को बैग बाहर जमा कराने के निर्देश दिए गए। इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर में अलग से व्यवस्था बनाई गई थी, जहां छात्रों से नकद रुपए वसूले जा रहे थे। विरोध करने वाले छात्रों ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया अवैध है। इसमें विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ प्रॉक्टोरियल बोर्ड के कुछ सदस्यों की भी भूमिका है। छात्रों के मुताबिक, विश्वविद्यालय के गाइर्स को बैग जमा कराने और पैसे लेने की जिम्मेदारी दी गई थी। कई छात्रों ने सवाल उठाया कि जब विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से बैग रखने की व्यवस्था की गई है तो इसके लिए शुल्क क्यों लिया जा रहा है। छात्रों ने इसे खुली वसूली बताते हुए तत्काल बंद कराने की मांग की। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ छात्र बैग जमा करने के नाम पर पैसे लिए जाने का विरोध करते दिखाई दे रहे हैं। एक वीडियो में विश्वविद्यालय द्वारा 80 हजार की फीस लेने के बावजूद बैग जमा करने के नाम पर वसूली करने की बात कही जा रही हैं। वहीं, वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

लखनऊ एयरपोर्ट पर सनसनी

बैग से निकला तमंचा, युवक गिरफ्तार

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ एयरपोर्ट पर एक युवक तमंचे के साथ पकड़ा गया है। उसने लगेज के अंदर तमंचा छिपा रखा था। काउंटर पर जैसे ही लगेज लेकर गया तो उसकी जांच हुई तो उसमें तमंचा निकला।

एयरपोर्ट के सिक्योरिटी गार्ड्स ने अधिकारियों को इसकी सूचना दी। अधिकारियों ने सरोजनी नगर थाने से पुलिस बुला ली। इसके बाद युवक के खिलाफ FIR दर्ज करवाई। पुलिस को तमंचा के दुबई में सप्लाई किए जाने का शक है। युवक की पहचान गोंडा के चांदपुर लखपत राय के महेश कुमार चौहान के रूप में हुई। वह 12वीं पास है। घटना शुक्रवार सुबह की है। युवक महेश कुमार चौहान सुबह एयरपोर्ट पहुंचा। वह एअर इंडिया की फ्लाइट (आईएक्स 193) से दुबई जाने वाला था। बुकिंग काउंटर पर लगेज की सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग की तलाशी ली गई। जांच में उसके बैग से 12 बोर का तमंचा निकला। सुरक्षाकर्मियों ने महेश को तमंचे के साथ पकड़ा और सरोजनी नगर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस की शुरूआती पूछताछ में महेश ने बताया कि वह नौकरी के सिलसिले में दुबई जा रहा था। हालांकि, उसके बैग में तमंचा कैसे आया, इस बारे में वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस सूत्रों के अनुसार, महेश पर दुबई में अवैध तमंचे के कारोबार के लिए इसे सैंपल के तौर पर ले जाने का संदेह है। पुलिस ने बरामद तमंचा जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

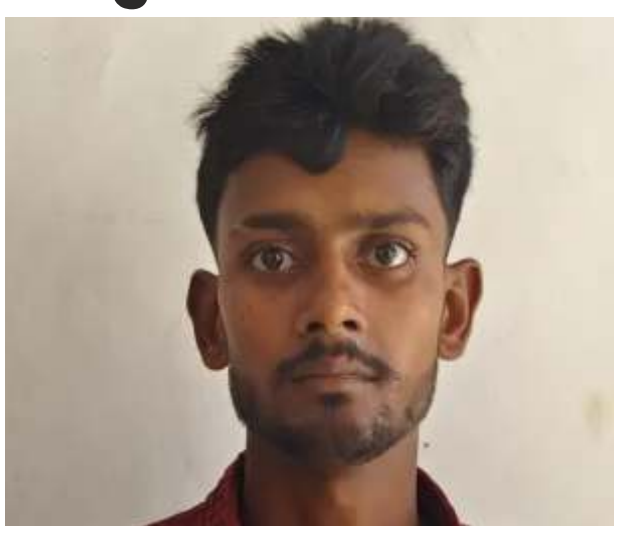

एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने बताया कि चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लेवल 2ए सुपरवाइजर आदर्श मिश्रा की तहरीर पर सरोजनी नगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। युवक के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। गोंडा के सभी थानों से उसकी डिटेल खंगाली जा रही है। शुरूआती जांच में आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है। फिर भी पुलिस सतर्कता बरत रही है।

रात में तूफान और बारिश,

दिन में मौसम साफ

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में गुरूवार रात करीब 9:30 बजे तूफान आया, एकबारगी जोरदार गरज-चमक के साथ बारिश हुई। इस दौरान कई इलाकों की बिजली गुल हो गई। शहरी इलाकों में बिजली आधे घंटे में बहाल हो गई लेकिन ग्रामीण इलाकों के कई पावर हाउस से बिजली 10 घंटे से ज्यादा बाधित रही। रैठा रोड बीकेटी में रुक्मणि विहार फीडर के अंडरग्राउंड केबल में फॉल आ गया। मौसम विभाग के अनुसार, गुरूवार को 0.8 mm बारिश दर्ज हुई। गुरूवार को शाम 5 बजे तक तक तापमान 31.7 डिग्री रहा। पिछले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में करीब 11.3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। 26 अप्रैल को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस था। आज यानी शुक्रवार को मौसम साफ रहेगा। तापमान 36 डिग्री से ऊपर नहीं जाएगा। न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। सुबह छिटपुट बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार, दिन में अधिकतर समय मौसम साफ बना रहेगा। दिलकुशा गार्डन के पास बाइक पर पेड़ गिरने से दो रेडियोथेरेपी टेक्नीशियन की मौत हो गई। यह

घटना सुबह हुई, लेकिन इलाके के लोगों का कहना है कि पेड़ एक दिन पहले आई आंधी में झुक गया था। सुबह गिर गया। दोनों टेक्नीशियन मऊ और बस्ती जिले के रहने वाले थे। रात में तूफान चलने से पहले आलमबाग, कृष्णानगर, मोहनलालगंज, खदरा, बीकेटी, फैजुल्लागंज सहित कई इलाकों में बिजली गुल हुई। इसके साथ ही हजरतगंज, बालू अड्डा, पार्क रोड, गौतमपल्ली के इलाके भी बिजली कटौती से प्रभावित हुए। बिजली विभाग ने माल, रहीमाबाद, काकोरी, गोपरा मऊ, रहमान खेड़ा, नादरगंज में बिजली आपूर्ति बंद की। कबाबा का पुरवा, अहिबरन पुर, निशातगंज न्यू हैदराबाद फीडर पर ब्रेक डाउन लिया गया। इससे 1 लाख की आबादी परेशान हुई।

BBAU के यशोधरा हॉस्टल में

मेस का टेंडर कैंसिल

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

बाबासाहब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (BBAU) के प्रशासन के दावे के उलट एक वीडियो सामने आया है। इसमें मेस में फैली गंदगी दिख रही है। गंदगी के बीच ही कर्मचारी बर्तन धुल रहा है। इसके अलावा मेस का वाटर कूलर बेकार हो चुका दिख रहा है। दरअसल, यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं ने बीएससी-एमएससी इंटीग्रेटेड कोर्स की फर्स्ट ईयर छात्रा की मौत का कारण खराब और दूषित खाने को बताया था। मंगलवार शाम छात्रा की मौत के बाद से स्टूडेंट्स का धरना कैंपस में तीसरे दिन भी जारी रहा। हालांकि गुरूवार देर शाम छात्रों को किसी तरह विश्वविद्यालय प्रशासन से जुड़े लोगों ने समझाकर प्रदर्शन स्थल से उठने को राजी कर लिया। रजिस्ट्रार अश्वनी सिंह के साथ मौके पर प्रॉक्टर प्रो. रामचंद्र सहित प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम के सदस्य धरना स्थल पर पहुंचे। स्टूडेंट्स से उनकी मांगों को पूरा करने के लिए मंगलवार तक की मोहलत लेकर रात करीब रात 9 बजे उनका धरना खत्म कराया। इस बीच BBAU प्रशासन की तरफ से यशोधरा हॉस्टल के मेस संचालक का टेंडर कैंसल कर दिया। 1 मई से नए मेस संचालक को तैनात कर दिया गया है। उसे अच्छी क्वालिटी का खाना स्टूडेंट्स के लिए तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

IPL सट्टे में लाखों हारे प्रॉपर्टी डीलर ने 11वीं मंजिल से लगाई छलांग

लखनऊ में 35 साल के प्रॉपर्टी डीलर ने 11वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। वह IPL मैच में सट्टा लगाता था। गुरूवार को आरसीबी और गुजरात जायंट्स के मैच में वह लाखों रुपए हार गया। इसके बाद उसने पत्नी को फोन किया, रोते हुए बोला कि बहुत कुछ हार गया हूं। पत्नी ने समझाया, लेकिन वह मैच के दौरान ही अपार्टमेंट की बालकनी से नीचे कूद गया। घटना गुडंबा थानाक्षेत्र के जनेश्वर अपार्टमेंट की है। मृतक युवक का नाम प्रबल जैन है। वह सीतापुर का रहने वाला था। यहां किराये पर रहता था। 8 महीने पहले उसने लव मैरिज की थी। हादसे के वक्त पत्नी सीतापुर में थी। उसके गिरने की आवाज सुनकर लोग दौड़कर वहां पहुंचे, लेकिन युवक की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। गुरूवार रात करीब 8.30 बजे प्रबल ने 11वीं मंजिल से नीचे छलांग लगाई। बारिश के बाद मौसम सुहाना होने की वजह से लोग बाहर की तरफ घूम रहे थे। नीचे गिरने की आवाज से भीड़ जमा हो गई। मौके पर चीख पुकार मच गई। वहां मौजूद लोगों ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। एसीपी गाजीपुर अनिंद्य विक्रम सिंह ने बताया कि मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। उसमें मैच में रुपए हारने की बात लिखी है। पत्नी और परिवार से माफी मांगी है। बैंक स्टेटमेंट और परिवार की शिकायत के आधार पर जांच की जाएगी। पुलिस ने बताया है कि पत्नी शिवानी ने पूछताछ में बताया है कि वह हमेशा आईपीएल देखते रहते थे। कल रात में भी वह मैच देख रहे थे। उसी दौरान उन्होंने मुझे फोन किया। वह काफी रो रहे थे। उन्होंने केवल इतना बताया कि मैं बहुत कुछ हार गया हूं। इसके बाद वह कुछ नहीं बोल पाए फिर फोन कट गया। प्रबल जैन और झारखंड के बोकारो की रहने वाली शिवानी की मुलाकात इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान हुई थी। यहीं दोनों के बीच प्रेम संबंध बना और बाद में उन्होंने

विवाह कर लिया। इन्क्लेव के निवासियों के मुताबिक, दोनों पिछले साल दिवाली के समय यहां रहने आए थे और लोगों से ज्यादा मेलजोल नहीं रखते थे। बताया जा रहा है कि मृतक के पिता ने भी कुछ समय पहले आत्महत्या की थी, जबकि मां का भी निधन हो चुका है।

बुद्ध पूर्णिमा पर उन्नाव के गंगा घाटों पर उमड़ी आस्था की लहर,

हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर शुक्रवार को गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह के ब्रह्म मुहूर्त से ही भक्तजन गंगा तट की ओर बढ़ने लगे और पूरे दिन घाटों पर आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान कर पुण्य अर्जित किया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि व शांति की कामना की।सुबह होते ही घाटों पर लंबी कतारें लग गईं। महिलाओं, पुरुषों, बुजुर्गों और युवाओं ने बड़ी श्रद्धा के साथ गंगा में डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं के चेहरों पर आस्था और विश्वास साफ झलक रहा था। स्नान के बाद लोगों ने भगवान गौतम बुद्ध को याद करते हुए पूजा-अर्चना की और दान-पुण्य किया। कई स्थानों पर धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ प्रसाद वितरण भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। श्रद्धालुओं का मानना है कि बुद्ध पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व होता है। इस दिन स्नान करने से पापों का नाश होता है और जीवन में सुख-शांति का वास होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बुद्ध पूर्णिमा का दिन भगवान गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण से जुड़ा हुआ है, इसलिए इस दिन का महत्व और भी बढ़ जाता है। यही कारण है कि दूर-दराज के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु गंगा घाटों पर पहुंचकर इस पुण्य अवसर का लाभ उठाते हैं। भीड़ को देखते हुए

प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। घाटों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही थी। इसके साथ ही गोताखोरों की टीम भी सतर्क रही, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से तुरंत निपटा जा सके। प्रशासन ने लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को सावधानी बरतने और निर्धारित स्थानों पर ही स्नान करने की अपील भी की। स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। घाटों के पास प्राथमिक उपचार के लिए मेडिकल टीम और एंबुलेंस की व्यवस्था मौजूद रही, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता दी जा सके। वहीं नगर पालिका और सफाई कर्मियों ने घाटों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई थी। इससे लोगों की आवाजाही सुचारू रूप से बनी रही और किसी तरह की अव्यवस्था नहीं हुई। पुलिसकर्मी लगातार भीड़ को व्यवस्थित करने में जुटे रहे और लोगों को सुरक्षित तरीके से स्नान कराने में सहयोग करते रहे।दिनभर गंगा घाटों पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। भजन-कीर्तन और पूजा-अर्चना के बीच श्रद्धालु आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करते नजर आए। कुल मिलाकर, उन्नाव में बुद्ध पूर्णिमा का यह पर्व पूरी श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लेकर इसे एक यादगार अवसर बना दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के दही थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। दरोगा खेड़ा के निकट अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान बक्खाखेड़ा गांव निवासी पृथ्वीपाल (पुत्र मोहनलाल) के रूप में हुई है। वह देर रात किसी काम से बाइक पर जा रहा था। दरोगा खेड़ा के पास पहुंचते ही एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पृथ्वीपाल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद राहगीरों और ग्रामीणों ने उसे उठाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी हालत बेहद गंभीर हो चुकी थी। युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दही थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि आरोपी वाहन चालक को जल्द गिरफ्तार कर उचित कार्रवाई की जाए। पुलिस फिलहाल मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है।

उन्नाव में लगेगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर,

रोटरी क्लब और मेदांता हॉस्पिटल की पहल

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर आगामी रविवार को रोटरी क्लब उन्नाव द्वारा मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के सहयोग से लगाया जाएगा। इस संबंध में आयोजकों ने प्रेस वार्ता कर शिविर की विस्तृत जानकारी साझा की।आयोजकों ने बताया कि शिविर में आने वाले मरीजों की बीपी, शुगर सहित सामान्य बीमारियों की जांच पूरी तरह निःशुल्क की जाएगी। इसके अलावा, मेदांता हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद रहेंगे, जो मरीजों का परीक्षण कर उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार उचित परामर्श देंगे। शिविर में डॉक्टरों द्वारा आवश्यक समझी जाने वाली प्राथमिक जांचें भी मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे लोगों को शुरुआती स्तर पर ही अपनी बीमारी का पता चल सके। इस स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य उन लोगों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना है, जो किसी कारणवश बड़े अस्पतालों या विशेषज्ञ डॉक्टरों तक नहीं पहुंच पाते। आयोजकों का कहना है कि यह शिविर विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा। यहां मरीजों को न केवल जांच और परामर्श मिलेगा, बल्कि उन्हें आगे के इलाज और देखभाल से जुड़ी जरूरी जानकारी भी दी जाएगी। प्रेस वार्ता के दौरान जब दवाओं और जांचों में छूट को लेकर सवाल पूछा गया, तो आयोजकों ने स्पष्ट किया कि शिविर में होने वाली सभी आवश्यक जांचें पूरी तरह मुफ्त रहेंगी। डॉक्टर मरीजों को उनकी बीमारी के अनुसार आगे के इलाज की प्रक्रिया भी विस्तार से समझाएंगे, ताकि उन्हें भविष्य में किसी तरह की परेशानी न हो।यह स्वास्थ्य शिविर ए.बी. नगर स्थित खालसा इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में विद्यालय प्रबंधन का भी पूरा सहयोग रहेगा। आयोजकों ने क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों से इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में पहुंचकर इसका लाभ उठाने की अपील की है, ताकि वे समय रहते अपनी सेहत की जांच करा सकें और गंभीर बीमारियों से बचाव कर सकें।

उन्नाव मंडी में बड़ी लापरवाही उजागर, निरीक्षण में शौचालय पर मिला ताला

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव की नवीन मंडी परिसर में व्यवस्थाओं की हकीकत उस समय सामने आ गई, जब मंडी परिषद के डायरेक्टर इंद्र विक्रम सिंह ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें कई गंभीर खामियां मिलीं, जिन पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। सबसे बड़ी लापरवाही तब उजागर हुई, जब मंडी परिसर में बने शौचालय पर ताला लटका मिला। इस पर डायरेक्टर इंद्र विक्रम सिंह ने गहरा असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जहां रोजाना बड़ी संख्या में किसान और व्यापारी आते हैं, वहां बुनियादी सुविधाओं का इस तरह अभाव होना बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसी लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मंडी की साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाएं भी संतोषजनक नहीं पाई गईं। परिसर में गंदगी और अव्यवस्था को लेकर डायरेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने मंडी अधिकारी एवं सचिव सुधीर कुमार सिंह को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि व्यवस्थाओं में तुरंत सुधार किया जाए, ताकि किसानों और व्यापारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। डायरेक्टर ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि यदि जल्द ही हालात नहीं सुधरे तो सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों का यह कर्तव्य है कि वे मंडी परिसर को स्वच्छ, व्यवस्थित और सुचारू बनाए रखें। उन्होंने सभी कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने और नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान मंडी सचिव सुधीर कुमार सिंह ने अपनी सफाई पेश करते हुए आश्वासन दिया कि पाई गई सभी खामियों को जल्द ही दूर कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शौचालय सहित अन्य व्यवस्थाओं को शीघ्र दुरुस्त कराया जाएगा और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा नहीं बनने दी जाएगी। डायरेक्टर के इस औचक निरीक्षण के बाद मंडी प्रशासन में हलचल तेज हो गई है। संबंधित अधिकारी व्यवस्थाओं को सुधारने में जुट गए हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस सख्ती के बाद मंडी परिसर की स्थिति में कितना सुधार आता है और किसानों-व्यापारियों को कितनी राहत मिलती है।

उन्नाव में भीषण सड़क हादसा: बाइक और साइकिल की टक्कर में दो की दर्दनाक मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में गुरुवार रात करीब 10 बजे एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा मौरावां थाना क्षेत्र के असरेन्दा-कालूखेड़ा मार्ग पर तिसंधा गांव के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, चिलौली गांव निवासी अखिलेश कुमार शुक्ला (55) सुदौली गांव से छत की शटरिंग का काम करवाकर साइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बछरावां थाना क्षेत्र के रामपुर सुदौली गांव निवासी शिवा रावत (24) तेज रफ्तार बाइक चला रहा था, जिसके पीछे सुजीत लोधी बैठा था। तेज गति से आ रही बाइक ने साइकिल सवार अखिलेश को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अखिलेश को परिजन कालूखेड़ा के एक निजी अस्पताल ले गए, जबकि शिवा को सौ बेड अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल सुजीत लोधी को प्राथमिक इलाज के बाद लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर कुंवर बहादुर सिंह के अनुसार, मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और जांच जारी है।

तेज रफ्तार का कहर: बाइक सवार शिक्षक को मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

उन्नाव जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार प्राथमिक विद्यालय के एक शिक्षक को टक्कर मार दी। हादसे में शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिवार में शोक छा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के पी डी नगर निवासी 58 वर्षीय सर्वेश कुमार वर्मा पुत्र स्वर्गीय सयन दास वर्मा पेशे से सरकारी शिक्षक थे। वह शहर में सर सैय्यद स्कूल के पास स्थित एक प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि सर्वेश कुमार अपनी बाइक पर सवार होकर किसी आवश्यक कार्य से निकले थे। इसी दौरान मार्ग में किसी बेलगाम और तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सर्वेश कुमार वर्मा बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें लहूलुहान हालत में तुरंत नजदीकी पानेशिया हॉस्पिटल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने तत्काल उनका सघन इलाज शुरू किया, लेकिन शरीर पर आई गहरी चोटों के कारण इलाज के दौरान ही सर्वेश कुमार वर्मा की मृत्यु हो गई। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना का जायजा लिया और शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक शिक्षक सर्वेश कुमार वर्मा के परिवार में उनका 16 वर्षीय बेटा ऋषि उर्फ पीयूष वर्मा है।

आगरा में स्मार्ट मीटर पर बवाल

महिलाओं ने उखाड़कर दफ्तर में फेंके मीटर

आगरा के अकोला में स्मार्ट मीटर के खिलाफ सैकड़ों महिलाओं और ग्रामीणों ने विरोध करते हुए मीटर उखाड़कर बिजली दफ्तर में फेंक दिए। लोगों ने ज्यादा बिल और खराब व्यवस्था का आरोप लगाया। किसान संगठनों ने भी विरोध तेज किया और कार्रवाई होने पर चक्का जाम की चेतावनी दी।

आगरा में स्मार्ट मीटर को लेकर विरोध अब खुलकर सड़कों पर उतर आया है। शुक्रवार को शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर अकोला कस्बे में सैकड़ों महिलाओं और ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। गुस्साए लोगों ने अपने घरों में लगे स्मार्ट मीटर उखाड़ दिए और उन्हें सिर पर उठाकर सीधे बिजली विभाग के दफ्तर पहुंच गए। वहां पहुंचकर उन्होंने मीटर फेंक दिए और विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन का यह दृश्य काफी असामान्य था। कई महिलाएं सिर पर मीटर रखकर जुलूस की शक्ल में कार्यालय तक पहुंचीं, जबकि कुछ ग्रामीण बोरे में भरकर मीटर लेकर आए। इस दौरान इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी ग्रामीणों को समझाने में जुटे रहे, लेकिन लोगों का गुस्सा कम होता नहीं दिखा। महिलाओं का कहना था कि स्मार्ट मीटर किसी भी हाल में उन्हें स्वीकार नहीं हैं। उन्होंने मांग की कि इस व्यवस्था को तुरंत बंद किया जाए और बिजली बिलों में हो रही अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उनका आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से बिजली बिल अचानक बढ़ गए हैं, जिससे आम परिवारों का बजट बिगड़ रहा है। ग्रामीणों ने भी स्मार्ट मीटर पर कई गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि ये मीटर बहुत तेज चलते हैं और कम बिजली इस्तेमाल करने पर भी ज्यादा बिल दिखाते हैं। कई लोगों ने दावा किया कि बिना उपयोग के भी मीटर का बैलेंस घट जाता है। सबसे बड़ी परेशानी यह बताई गई कि जैसे ही बैलेंस माइनस में जाता है, तुरंत बिजली आपूर्ति बंद हो जाती है। इतना ही नहीं, रिचार्ज करने के बाद भी कई बार बिजली तुरंत बहाल नहीं होती, जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्मार्ट मीटर को लेकर बढ़ते विरोध के बीच प्रदेश सरकार पहले ही कुछ राहत देने की कोशिश कर चुकी है। नए आदेश के अनुसार, 1 किलोवाट तक के कनेक्शन पर 30 दिन तक और 2 किलोवाट कनेक्शन पर 200 रुपये तक माइनस बैलेंस होने के बावजूद बिजली नहीं काटी जाएगी। इसके बावजूद ग्रामीणों का कहना है कि जमीनी स्तर पर इन आदेशों का पालन सही तरीके से नहीं हो रहा है।इस आंदोलन को किसान संगठनों का भी समर्थन मिल रहा है। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिलाध्यक्ष राजवीर लवानिया ने कहा कि संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत के निर्देश पर पूरे उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर का विरोध किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी भी किसान या ग्रामीण के खिलाफ मीटर हटाने को लेकर कार्रवाई की गई, तो संगठन चक्का जाम करने से भी पीछे नहीं हटेगा।वहीं, मेरठ में भी स्मार्ट प्रीपेड मीटर के खिलाफ किसानों ने पंचायत कर सख्त रुख अपनाया है। भारतीय किसान यूनियन आजाद के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन बालियान ने आरोप लगाया कि गांवों में जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जिससे किसानों का आर्थिक शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा कि रिचार्ज खत्म होते ही बिजली काट दी जाती है, जिससे खेती-किसानी और घरेलू कामकाज प्रभावित होता है।कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर को लेकर विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। अगर समय रहते इस मुद्दे का समाधान नहीं निकाला गया, तो यह आंदोलन और बड़ा रूप ले सकता है।

यूपी के 8 जिलों में बारिश, हजारों बोरी गेहूं भीगा

यूपी में तीन दिनों से मौसम बिगड़ा हुआ है। आज शुक्रवार सुबह से गोरखपुर, बलिया, देवरिया समेत 8 जिलों में बारिश हो रही है। पूर्वांचल के ज्यादातर जिलों में बादल छाए हैं। तेज हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने आज 62 जिलों में आंधी, बिजली गिरने की संभावना जताई है। देर रात लखनऊ, सीतापुर, फर्रुखाबाद, पीलीभीत, गोंडा में आंधी के साथ तेज बारिश हुई। हमीरपुर में 65 साल के किसान की मौत हो गई। परिवार वालों के मुताबिक, बारिश में 200 क्विंटल गेहूं खेत में भीग गया। बारिश के बाद वह खेत पहुंचे। गेहूं देखकर उनके सीने में तेज दर्द हुआ। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। फतेहपुर में सरकारी खरीद केंद्र पर बारिश से 700 क्विंटल गेहूं भीग गया। पीलीभीत में बारिश के बाद हुए कीचड़ में दूल्हे की कार फंस गई। करीब दो घंटे बाद ट्रैक्टर से खींचकर कार को निकाला गया। मैनपुरी में 100 से ज्यादा पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। सैकड़ों गांवों में बिजली सप्लाई बाधित हो गई। आंधी-बारिश से जुड़ी घटनाओं में 36 घंटे में 17 लोगों की मौत हो गई। प्रदेश में औसतन 2.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इससे लोगों को हीटवेव से राहत मिली। प्रदेश के औसत तापमान में 10-12 डिग्री की गिरावट हुई है। तीन दिन पहले यानी 27 अप्रैल को 47.6 डिग्री सेल्सियस के साथ दुनिया का सबसे गर्म शहर रहा बांदा का तापमान 36.4 डिग्री पर पहुंच गया है। गुरुवार की बात करें तो गाजियाबाद, नोएडा, ललितपुर, आगरा, मथुरा समेत 10 जिलों में ओले गिरे। 25 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। गुरुवार को जालौन प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां का अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

सिकंदरराव में भगवान परशुराम शोभा यात्रा के अध्यक्ष का चयन

सिकंदरराव में भगवान परशुराम शोभा यात्रा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन श्री राधे कृष्ण होटल में किया गया। कार्यक्रम का संचालन देवकांत कौशिक द्वारा किया गया, जबकि बैठक की अध्यक्षता मुन्ना लाल दीक्षित ने की।बैठक में सर्वसम्मति से समाजसेवी रामकिशोर शर्मा (कचौरा वाले) को मेले का अध्यक्ष चुना गया। वहीं, आयोजन को सफल बनाने के लिए अरूण दीक्षित को संयोजक नियुक्त किया गया। मेले को भव्य बनाए जाने के लिए सुंदर सांस्कृतिक झांकियां, बैंड,ढोल, डीजे आदि की व्यवस्था पर चर्चा हुई बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने शोभा यात्रा को भव्य और सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित करने पर जोर दिया तथा इसके लिए आपसी सहयोग का संकल्प लिया। बैठक में वरिष्ठजनों एवं युवाओं ने भारी संख्या में सहयोग रहा मुख्य रूप से पंडित चेतन शर्मा, मित्रेश चतुर्वेदी, मनोज उपाध्याय, सौरभ उपाध्याय, मुकेश शर्मा पंकज शर्मा, अनुराग शर्मा ,प्रशांत शर्मा, राम शंकर तिवारी, सुधीर तिवारी, बृज बिहारी कौशिक,विजेंदर पचौरी ,अरविंद भारद्वाज,सुभाष पाराशर, मनोज, प्रदीप शर्मा, राजोरिया,रिंकू शर्मा सत्यप्रकाश शर्मा,विनोद पाठक, संदीप पचोरी , दुर्वेश पचौरी, पंकज पचौरी, कमलकांत दीक्षित, अनिलेश पचौरी वीरेश शर्मा, कुलदीप पचौरी विवेक दुबे, कन्हैया पचौरी सुमित शर्मा, उमेश उपाध्याय अवधेश दुबे पवन शर्मा किशोर पांडा जी,आशीष दीक्षित,मुकेश शर्मा प्रधान जी, दीपांशु, माधव, आदित्य, प्रियांशु, कुशाग्र, शौर्य पांडा, विनय शर्मा, वैभव ,जीतेश उत्कर्षवर्ती ,नीतीश भारद्वाज आदि लोग शामिल हुए।

बुद्ध जयंती और श्रमिक दिवस पर हिंदू महासभा का संदेश

अखिल भारत हिन्दू महासभा ने भगवान बुद्ध जयंती और श्रमिक दिवस पर समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए उनसे महात्मा बुद्ध के उपदेशों और शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी ने कहा कि भगवान बुद्ध भगवान विष्णु के नवें अवतार के रूप में महाराजा शुद्धोधन के पुत्र के रूप क्षत्रिय जाति में पृथ्वी पर मानवता और जीव कल्याण के लिए अवतरित हुए थे। भगवान बुद्ध ने बौद्ध पंथ की स्थापना कर सत्य, अहिंसा और प्रेम का संदेश दिया। भगवान बुद्ध का यह संदेश आज भी प्रासंगिक है और मानव जाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता बी एन तिवारी ने आज जारी बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भगवान बुद्ध ने तत्कालीन समाज में व्याप्त कुरीतियों और अमानवीय नीतियों के निवारण हेतु बौद्ध पंथ की स्थापना की थी। उनके अनुसार हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी ने कहा कि वर्तमान समय में बौद्ध पंथ के अंदर नवबौद्ध संस्कृति के नाम से एक नया वर्ग उभर रहा है, जो बौद्ध पंथ को बौद्ध धर्म के रूप में मान्यता देते हुए बौद्ध पंथ को सनातन धर्म के विरोधी पंथ के रूप में स्थापित करने का दुष्प्रयास कर रहा है। कांग्रेस और वामपंथ की राजनीतिक विचारधारा से प्रेरित नवबौद्ध संस्कृति सनातन धर्म को समाप्त करने का प्रयास कर रही हैं, जबकि वास्तव में बौद्ध पंथ सनातन धर्म का अविभाज्य अंग और सनातन धर्म का गौरव है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सनातनी भगवान बुद्ध को विष्णु भगवान के नवें अवतार के रूप में मान्यता देता है और उनकी उपासना करता है। इसके विपरीत नवबौद्ध संस्कृति के अनुयायियों ने सनातन धर्म के देवी देवताओं के विरुद्ध दुष्प्रचार करना और उन्हें अपमानित करना ही अपना परम धर्म स्वीकार कर लिया है। ऐसे नवबौद्ध वास्तव में भगवान बुद्ध की नीतियों, शिक्षाओं और आदर्शों के विरुद्ध आचरण कर रहे हैं। उनका यह आचरण उनका अक्षम्य अपराध है।

रिपोर्ट---- ब्यूरो चीफ दुष्यंत पचौरी हाथरस